RESEARCH REPORT

Page:
Date: / /

अनुसंधान-कार्य का अंतिम महत्वपूर्ण अंग है उसका प्रतिवेदन (Report)

* Research Report का उद्देश्य -

[1] प्रतिवेदन के द्वारा अनुसंधानकर्ता अपने अनुसंधान की समस्या, उस क्षेत्र में किए गये अन्य कार्यों, अनुसंधान की प्रक्रिया, उसके आकड़ो तथा प्राप्त निष्कर्षों को लिपिबद्ध करता है; जिससे इस क्षेत्र में अन्य इच्छुक व्यक्तियों तक वह पहुंच सके, तथा वे उसके निष्कर्षों का परिक्षण, मूल्यांकन को विश्लेषण कर सके।

[2] प्रतिवेदन से अनुसंधानकर्ता उसकी पुनरावृत्ति पर पर अनावश्यक समय नष्ट करने से बचते हैं।

[3] अनुसंधान-प्रतिवेदन उस क्षेत्र की अन्य समस्याओं तथा प्रस्तुत अनुसंधान की सीमाओं की चर्चा कर भावी अनुसंधान के लिए सुझाव भी देता है।

[4] सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि अनुसंधानकर्ता अपने प्रतिवेदन के माध्यम से किसी विशेष क्षेत्र में ज्ञानकोष की वृद्धि के लिए द्वार खोल देता है। अन्य अनुसंधान कर्ता उसके प्राप्त निष्कर्षों का मूल्यांकन कर आगे कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं।

* अनुसंधान-प्रतिवेदन का प्रारूप (Form of Research Report)

A. प्रारंभिक सामग्री

1. मुख पृष्ठ
2. स्वीकृति-पत्र (यदि आवश्यक हो)

3. प्राक्कथन
4. वस्तु-सारणी,
5. सारणी-सूची
6. चित्र-सूची

मूल प्रतिवेदन के पूर्व के पृष्ठों में कुछ आवश्यक विवरण देने होते हैं। इसे ही प्रारम्भिक सामग्री कहते हैं—

[1] मुखपृष्ठ के अन्तर्गत निम्नलिखित सामग्री रहती है—

(क) अध्ययन का शीर्षक।
(ख) अनुसंधानकर्ता का पूरा नाम तथा योग्यता।
(ग) प्रतिवेदन किसे प्रस्तुत किया जा रहा है।
(घ) किस उपाधि के लिए प्रस्तुत किया जा रहा है तथा प्रस्तुत करने का वर्ष।

इसकी रूप रेखा निम्नवत होती है—

छात्राध्यापकों के शिक्षणाभ्यास की कठिनाइयाँ—का अध्ययन
....विश्वविद्यालय की.....ई. का.....उपाधि.....आंशिक
आवश्यकता की पूर्ति हेतु प्रस्तुत शोध-प्रबंध
निर्देशक अनुसंधानकर्ता